ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL
REACHING NATIONS
SINCE 1969
1969 TO 2029

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX | **YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 NOVEMBER** | **No. 12**

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजन 96:7-13

7 हे देश देश के कुल के लोगो, यहोवा का गुणानुवाद करो, यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को मानो!

8 यहोवा के नाम की ऐसी महिमा करो जो उसके योग्य है; भेंट लेकर उसके आँगनों में आओ!

9 पवित्रता से शोभायमान होकर यहोवा को दण्डवत् करो; हे सारी पृथ्वी के लोगो, उसके सामने काँपते रहो!

10 जाति जाति में कहो, "यहोवा राजा हुआ है! और जगत ऐसा स्थिर है कि वह टलने का नहीं; वह देश देश के लोगों का न्याय खराई से करेगा।"

11 आकाश आनन्द करे, और पृथ्वी मगन हो; समुद्र और उसमें की सब वस्तुएँ गरज उठें;

12 मैदान और जो कुछ उस में है, वह प्रफुल्लित हो; उसी समय वन के सारे वृक्ष जयजयकार करेंगे।

13 यह यहोवा के सामने हो, क्योंकि वह आनेवाला है। वह पृथ्वी का न्याय करने को आनेवाला है, वह धर्म से जगत का, और सच्चाई से देश देश के लोगों का न्याय करेगा।

आप जाग रहे है या सो रहे हैं?

ARE YOU AWAKE OR ASLEEP? *बहन एन्जल*

मैं आपका हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के पुनरूत्थित नाम में अभिवादन करती हूँ, जिन्होंने हमें स्वर्गीय स्थानों में हर आत्मिक आशीष से आशीषित किया है। इस पत्रिका के माध्यम से हमारे "एको ऑफ़ हिज़ कॉल" के विस्तारित परिवार से जुड़ना हमेशा आनंददायक होता है। मेरी प्रार्थना है कि आप अपने जीवन के हर क्षेत्र में समृद्ध हों, ठीक वैसे ही जैसे आपकी आत्मा मसीह यीशु में संपन्न होती है।

अब हम २०२५ के अंत की ओर बढ़ रहे हैं। यह वर्ष कितनी जल्दी बीत गया! पीछे मुड़कर देखने पर चिंतन करने के लिए बहुत कुछ है। मैं उन सभी के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करती हूँ जिन्होंने एक फलदायी और आशीषमय वर्ष का अनुभव किया है, और मैं उन लोगों के लिए प्रार्थना करती हूँ जिन्होंने चुनौतियों का सामना किया है - दृढ़ता और यहाँ तक पहुँचने के लिए शाबाशी। सचमुच, परमेश्वर हमारी सामर्थ्य है!

एक परिवार के रूप में यह वर्ष हमारे लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रहा है। हमने अपने भाई - मेरे माता-पिता के प्रिय पुत्र और मसीह के एक विश्वासयोग्य सेवक - की दुःखद मृत्यु का अनुभव किया। फिर भी, इन सबके बावजूद, परमेश्वर का अनुग्रह हमारे लिए पर्याप्त रहा है। मैं आपकी प्रार्थनाओं और इस कठिन समय में हमारे साथ खड़े रहने के लिए दिल से आपका आभारी हूँ।

पृष्ठ 3 से क्रमश:...

एको ऑफ़ हिज़ कॉल — 5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब *मसीही चैनल!*

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे

*** Please Subscribe and Share ***

ECHO OF HIS CALL - (Marching towards 60th year)

Estd. 1969

from your dearly beloved brother...

"हे यहोवा पर आशा रखनेवालो, हियाव बाँधो और तुम्हारे हृदय दृढ़ रहें।" भजन 31:24

मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों,

हमारे प्रभु यीशु मसीह के अनमोल नाम की महिमा और आदर हो, जो हमें आशीष के मार्ग पर निरंतर ले जा रहा है।

पिछले महीने, हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा - प्रिंटिंग मशीनों की तकनीकी समस्याएँ, हमारे सहकर्मियों की स्वास्थ्य समस्याएँ, और अन्य ज़रूरी ज़रूरतें - जिनसे कई बार सेवकाई धीमी पड़ गई। फिर भी, अपने सामर्थी हाथों से, परमेश्वर ने हर परीक्षा को अपनी महिमा की गवाही में बदल दिया। आज, हम इस कार्य को नए जोश और उत्साह के साथ जारी रखते हैं।

हम उन सभी पर परमेश्वर की ईश्वरीय सामर्थ्य के लिए आपकी प्रार्थनाओं की हार्दिक अभिलाषा करते हैं जो ईमानदारी से काम करते हैं : हमारे समर्पित कलीसियाई सेवक, क्षेत्र कार्यकर्ता, प्रेस कर्मचारी, कार्यालय टीम, नहेमायाह बाइबल कॉलेज के कार्यकर्ता, और सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी।

वर्तमान में, हम समर्पित कार्यकर्ताओं की कमी का सामना कर रहे हैं, जिसके कारण कई क्षेत्रों में देरी हुई है - जैसे कि हमारे वरिष्ठ पादरी की आत्मकथा का पूरा होना, आवासीय हिंदी नहेमायाह बाइबल कॉलेज का विस्तार, विभिन्न प्रशासनिक ज़िम्मेदारियाँ, और समग्र कलीसिया का विकास। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी और समर्पित पूर्णकालिक सेवक इस सेवकाई का भार उठाने के लिए आगे आएँ।

आज के समय में, जब कई सेवकाईयाँ परमेश्वर के वचन के मूलभूत सत्यों से भटक रही हैं और सांसारिक रीति-रिवाजों और व्यवस्थाओं की ओर झुक रही हैं, प्रभु हम पर दया करे, अपने आत्मा को नए सिरे से उंडेले, और हमें अपनी महिमा के लिए एक साथ सेवा करने के लिए एकजुट करे।

हम आपसे यह भी आग्रह करते हैं कि आप उन सभी सेवकाईयों और संस्थाओं की सहायता करें करें जो आत्मिक युद्ध के मैदान में अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं और आपके लिए शत्रु के गढ़ों के विरुद्ध लड़ रहे हैं।

निःसंदेह, परमेश्वर सदैव भला है! आमेन।

मसीह यीशु में, आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज Email: sam@echoofhiscall.org

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF

Rev. Dr. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR

Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER

Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION

Sis. Jesy Veena Sam

Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.

Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.

Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.

Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD

Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

Sis. Sajini Cherian

Rev. Dr. K.R. Rajasekaran

Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER

Pastor S. SAM SELVA RAJ

Echo of His Call Printers

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai- 600 005, India.

Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858 95661 31858

E.MAIL

sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES

www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL

Echo of His Call

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) ▫ BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) ▫ YouTube Ministry ▫ Online Courses ▫ Theological Correspondence Courses (2 languages) ▫ Church Planting ▫ Nehemiah Bible Colleges ▫ Gospel Printing Press ▫ Great Commission Partners ▫ St. Paul's Matriculation School ▫ Crusades ▫ Community Development

पृष्ठ 1 से आगे...

पिछले महीने, मैंने अपने हृदय की रक्षा करने के महत्व के बारे में लिखा था ताकि हम परमेश्वर की आशीष प्राप्त कर सकें। जब मैंने "रक्षक" शब्द पर मनन किया, तो मुझे याद आया कि कैसे परमेश्वर

परमेश्वर ने हमें हमारे परिवारों, हमारी कलीसियाओं, हमारे शहरों और हमारे राष्ट्रों पर पहरेदार ठहराया है

ने हम सभी को उन चीज़ों का रक्षक - पहरेदार - बनने के लिए बुलाया है जो उसने हमें सौंपी हैं। **यहेजकेल 3:17 में हम पढ़ते हैं : "हे मनुष्य के सन्तान, मैं ने तुझे इस्राएल के घराने के लिए पहरुआ नियुक्त किया है"** परमेश्वर ने हमें हमारे परिवारों, हमारी कलीसियाओं, हमारे शहरों और हमारे राष्ट्रों पर पहरेदार ठहराया है।

पहरेदार चुप नहीं रह सकता। पवित्र शास्त्र कहता है, **"हे यरूशलेम, मैं ने तेरी शहरपनाह पर पहरुए बैठाए हैं; वे दिन रात कभी चुप न रहेंगे। हे यहोवा को स्मरण करनेवालो, चुप न रहो" यशायाह 62:6।** यीशु मसीह जल्द ही आ रहे हैं - हम चुप नहीं रह सकते!

एक विश्वासयोग्य पहरेदार को सतर्क रहना चाहिए - खतरे की हल्की सी भी आहट को देखने, सुनने और भांपने में सक्षम होना चाहिए। हमें सतर्क रहने, आत्मिक रूप से जागृत रहने और आने वाली विपत्ति को देखते ही सचेत करने के लिए कहा गया है। सावधान रहें! सतर्क रहें! आइए हम ईमानदारी से दूसरों को आने वाली विपत्ति के लिए आगाह करें और तैयार करें।

यहेजकेल 33:6 हमें चेतावनी देता है कि **यदि हम सचेत नहीं होंगे और दूसरों को चेतावनी नहीं देंगे, तो हम उनके खून के ज़िम्मेदार होंगे।** यिर्मयाह 51:12 हमें सलाह देता है कि **बहुत पहरुए बैठाओ; घात लगानेवालों को बैठाओ।**

यह ज़िम्मेदारी सिर्फ़ दूसरों को चेतावनी देने तक ही सीमित नहीं है - यह हमारे अपने जीवन की रक्षा करने पर भी लागू होती है। अनगिनत विकर्षण और परीक्षाएं हैं जो हमें परमेश्वर की योजना और उद्देश्य से दूर कर सकते हैं। यदि हम सतर्क नहीं रहेंगे, तो हम आसानी से गिर सकते हैं। हमें परमेश्वर के पहरूए बनने के लिए बुलाया गया है!

लेकिन यहाँ महत्वपूर्ण प्रश्न यह है : क्या हम सचमुच उसी तरह पहरा दे रहे हैं जैसे परमेश्वर ने हमें पहरा देने के लिए बुलाया है?

एक विश्वासयोग्य पहरूए के कुछ मुख्य गुण सतर्क, जागरूक और सचेत रहना हैं।

सतर्कता का अर्थ है छोटे से छोटे बदलाव या हलचल के प्रति भी संवेदनशील होना।

जागरूकता का अर्थ है उस क्षेत्र को जानना जिसकी हम रक्षा कर रहे हैं - उसकी ताकत, उसकी कमज़ोरियाँ और उसकी संभावित निर्बलताएँ।

हमारे आसपास क्या हो रहा है इसके प्रति हमें सचेत या जागृत रहना है

जागृत रहना शायद सबसे ज़रूरी है, क्योंकि यदि हम जागरूक नहीं हैं, तो हम अपने आस-पास क्या हो रहा है, इसके प्रति सावधान या सचेत नहीं रह सकते।

इन अंतिम दिनों में, परमेश्वर हमें आत्मिक रूप से जागृत, जागरूक और सचेत रहने के लिए बुला रहा हैं।

1. लेकिन ये सोए हुए लोग कौन हैं?

मत्ती 13:15 में यीशु मसीह हमें इसका उत्तर देता है :

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

हमारा पता :

ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

क्योंकि इन लोगों का मन मोटा हो गया है, और वे कानों से ऊँचा सुनते हैं और उन्होंने अपनी आँखें मूंद ली हैं...

दूसरे शब्दों में, ये वे लोग हैं जिनके हृदय कठोर हो गए हैं। उन्होंने प्रेम, आशा और धार्मिकता का संदेश सुना है - फिर भी वे अपने तौर-तरीके बदलने से इनकार करते हैं। एम्प्लीफाइड बाइबल कहती है, **"उन्होंने अपनी आँखें कसकर, बंद कर ली हैं। वे देखना नहीं चाहते।"**

यीशु मसीह ने ऐसे लोगों का वर्णन ऐसे लोगों के रूप में किया है जो... **होठों से तो मेरा आदर करते हैं, परन्तु उनका हृदय मुझसे दूर रहता है।**

यदि हमारा हृदय परमेश्वर की वाणी सुनने के

हमारे हृदय परमेश्वर की आवाज़ सुनने तत्पर हों

लिए इच्छुक नहीं है, तो हम आत्मिक रूप से सोए हुए हैं। यदि हम परमेश्वर की वाणी नहीं सुन सकते, यदि हम परमेश्वर की बातों को नहीं देख सकते, तो हम आत्मिक रूप से सोए हुए हैं - और असुरक्षित हैं।

2. जब हम सोते हैं तो क्या होता है?

मत्ती 13 में, हमें एक ज़मींदार का एक गंभीर दृष्टांत मिलता है जिसने अपने खेत में अच्छे बीज बोए और उसे सुरक्षित रखने के लिए अपने नौकरों को सौंप दिया। लेकिन जब पहरेदार सो रहे थे, तो

जब पहरूए सो रहे थे तब शत्रु ने चुपचाप आपकर गेहू के बीच जंगली बीज बोया

दुश्मन चुपचाप आया, गेहूँ के बीच जंगली पौधे बोए और किसी को पता चलने से पहले ही चला गया। बाद में, जब पौधे बढ़ने लगे, तो मज़दूरों ने देखा कि गेहूँ और जंगली पौधे दोनों एक साथ उग रहे हैं।

लेकिन जब सब सो रहे थे, तो उसका दुश्मन आया और गेहूँ के बीच जंगली पौधे बोए और चला गया। - मत्ती 13:25

3. जब वे सो रहे थे तब दुश्मन आया!

आइए इस पद पर गहराई से विचार करें : जब वे सो रहे थे, दुश्मन आया!

रात के सन्नाटे में कौन आया? - दुश्मन।

पहरेदार होने के नाते, हमसे जागते और सतर्क रहने की अपेक्षा की जाती है। जिस क्षण हम आत्मिक रूप से सो जाते हैं, हम अपनी चेतना खो देते हैं, और दुश्मन हमारे बेपरवाह पलों का लाभ उठाता है।

इसीलिए पवित्रशास्त्र बार-बार हमसे आग्रह करता है :

जागते रहो और प्रार्थना करो...
मत्ती 26:41

झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो...
- मत्ती 7:15

... सावधान रहो! सावधान रहो...
- लूका १२:१५

प्रार्थना में लगे रहो, सतर्क और धन्यवादी रहो।
- कुलुस्सियों ४:२

... जागते रहो...
- मत्ती २४:४२

ये सभी पद जागते और सतर्क रहने की ज़रूरत पर ज़ोर देते हैं। फिर भी इस दृष्टांत में, सेवक सो गए - और तभी शत्रु ने उन पर हमला किया।

प्रिय मित्रों, शत्रु हमेशा तब हमला करने की कोशिश करता है जब हम लापरवाह, विचलित या आत्मिक रूप से सोए हुए होते हैं। वह गरजते हुए सिंह की तरह घूमता रहता है, सही समय का इंतज़ार करता है जब हम पर झपटें, हमें ठोकर खिलाए और हमें मार गिराए। इसलिए हमें सतर्क रहना चाहिए।

उसके साथ निकट और सुसंगत रूप से चलना

हम आत्मिक रूप से सचेत और परमेश्वर की वाणी के प्रति संवेदनशील कैसे बने रहें? उसके साथ घनिष्ठ और निरंतर संबंध बनाए रखकर। यदि प्रभु के साथ हमारा रिश्ता अस्थायी या अधूरा है, तो हम अपनी, अपने परिवारों, अपनी कलीसियाओं, अपने शहरों या अपने राष्ट्रों की रक्षा नहीं कर सकते।

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1989

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों 6:2), ❋ सहायता करना (रोमियो 12:13) और ❋ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 नवम्बर 2025, से 18 दिसम्बर 2025 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 नवंबर : हमारी सभी बहुआयामी गतिविधियों की सुरक्षा में परमेश्वर की आशीष।

20 नवंबर : हमारे प्रति उसका अटूट स्नेह और प्रेम।

21 नवंबर : हमें अपनी पत्रिका को अपने प्रेस के माध्यम से 16 भाषाओं में छापने और प्रकाशित करने और उन्हें मिशन क्षेत्रों में भेजने में सक्षम बनाना।

22 नवंबर : पिछले पूरे महीने में उसका अनुग्रहपूर्ण नेतृत्व।

23 नवंबर : हमारे क्षेत्रीय मिशनरियों और उनके परिवारों पर आशीष की वर्षा हुई।

24 नवंबर : हमारी कलीसिया में नए विश्वासियों का आगमन हो।

25 नवंबर : हमारे सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों पर उसकी आशीष के लिए।

26 नवंबर : विभिन्न सेवाओं के माध्यम से सुसमाचार के प्रसार के प्रति हमारे वरिष्ठ पासवान के समर्पण के लिए।

27 नवंबर : एको अहफ़ हिज़ कहल मिनिस्ट्रीज़ की प्रत्येक गतिविधि पर उसके मार्गदर्शन और आशीष के लिए।

28 नवंबर : हमारे मुख्य चर्च और उसकी शाखाओं में संडे स्कूल के लिए हमें और अधिक बच्चों का आशीष मिली।

29 नवंबर : हमारी यू ट्यूब मीडिया मिनिस्ट्री के माध्यम से सुसमाचार को उन क्षेत्रों तक पहुँचाने में हमारी मदद के लिए जहाँ तक सुसमाचार की पहुँच नहीं है।

30 नवंबर : हमारे प्रार्थना सहयोगियों, सदस्यता सहयोगियों, विश्वास सहयोगियों, जीवन सहयोगियों, महान आयोग सहयोगियों और उनके परिवारों पर अपनी दया के लिए।

1 दिसंबर : हमारे सहयोगी संपादक और समन्वयकों और उनके परिवारों पर परमेश्वर के अनुग्रह के लिए।

2 दिसंबर : हमारी अस्पताल सेवा में परमेश्वर के आश्चर्यकर्म।

3 दिसंबर : समर्पित सहयोगी संपादक जो एको अहफ़ हिज़ कहल पत्रिका सेवकाई की ईमानदारी से सहायता करते हैं।

कृपया प्रार्थना करें

4 दिसंबर : इस पीढ़ी के युवाओं और बच्चों के लिए मध्यस्थता करते हुए, हमारे ग्लोबल विज़न फहर यूथ एंड किड केयर सेवकाई में और अधिक लोगों का नामांकन हो।

5 दिसंबर : हमारी यू ट्यूब मीडिया मिनिस्ट्री के माध्यम से अनगिनत आत्माओं का उद्धार।

6 दिसंबर : हमारे मुख्य चर्च और उसकी शाखाओं के विश्वासियों के लिए ईश्वरीय सुरक्षा और अच्छा स्वास्थ्य।

7 दिसंबर : दुनिया भर के सभी मसीही सेवकाइयों में बड़ी जागृति।

8 दिसंबर : हमारे वरिष्ठ पादरी, एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार की हर बुरी ताकत से सुरक्षा।

9 दिसंबर : हमारी सेवकाई का विस्तार और सुसमाचार का विश्वव्यापी प्रचार।

10 दिसंबर : सभी धर्मों में एकता और सद्भाव।

11 दिसंबर : दुनिया भर में चक्रवातों और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम।

12 दिसंबर : दुनिया भर के किशोरों और युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति का उन्मूलन।

13 दिसंबर : सेंट पहल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल और नहेमायाह बाइबल कहलेजों के छात्रों और शिक्षकों के लिए ईश्वरीय सुरक्षा।

14 दिसंबर : दुनिया भर के पादरियों और मिशनरियों पर परमेश्वर की सुरक्षा।

15 दिसंबर : हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्चों के सभी सदस्यों की आत्मिक और शारीरिक भलाई।

16 दिसंबर : हमारे संगठन के लिए उपयुक्त और समर्पित कर्मचारियों की भर्ती।

17 दिसंबर : हमारे कर्मचारियों और मुद्रण टीम पर परमेश्वर का सुरक्षा कवच बना रहे, जिससे वे अपने काम के दौरान सुरक्षित और स्वस्थ रहें।

18 दिसंबर : सभी राष्ट्रों में एकता और शांति हो।

पृष्ठ 4 से आगे...

4. वचन – बीच में :

इस परिच्छेद में एक और महत्वपूर्ण बात है बीच में शब्द। दुश्मन ने जंगली पौधे कहाँ बोए? कहीं दूर नहीं, किसी दूसरे खेत में नहीं, बल्कि अच्छे बीजों के बीच। दुश्मन को ठीक-ठीक पता है कि उसे कब और कहाँ जंगली पौधे बोने हैं – परमेश्वर ने जो बोया है ठीक उसके बीच में, और उसी बढ़ते मौसम में।

मेरा मानना है कि वह दृष्टांत में बोने वाले के दुश्मन की तरह, हमला करने के लिए सही मौके का इंतज़ार कर रहा होगा। हम अक्सर बीजों के बीच जंगली पौधे उगते हुए पाते हैं, जो उनका जीवन छीन लेते हैं। जंगली पौधे पोषण को सोख लेते हैं, विकास में बाधा डालते हैं और स्वस्थ पौधों को नष्ट कर देते हैं। ये जंगल की आग की तरह तेज़ी से फैलते हैं।

उसी तरह, हमारे जीवन में भी हमें जंगली पौधे मिलेंगे – परिवार के सदस्यों, कलीसिया के सदस्यों,

चोर हमारा आनन्द, शान्ति और स्वास्थ्य चुराता है

दोस्तों और यहाँ तक कि सेवकाई सहयोगियों के बीच भी। ये जंगली पौधे हमारी खुशी, शांति और स्वास्थ्य को चुराने की कोशिश करते हैं, और झूठ और धोखे के ज़रिए रिश्तों को नुकसान पहुँचाते हैं। इसलिए हमें शैतान की चालों और रणनीतियों को पहचानने के लिए परख के आत्मा की ज़रूरत है।

बार-बार, जब यीशु मसीह लोगों के साथ थे, तो पवित्रशास्त्र कहता है कि वह "उनके विचारों को जानते थे" या "उनके बुरे विचारों को जानते थे।" पहरेदारों के रूप में, हमें भी अपने आस-पास के लोगों के प्रति सतर्क रहना

साँपों की तरह चतुर और कबूतरों की तरह भोले

चाहिए। यीशु मसीह ने चेतावनी दी थी, **"मैं तुम्हें भेड़ों की तरह भेड़ियों के बीच भेज रहा हूँ। इसलिए साँपों की तरह चतुर और कबूतरों की तरह भोले बनो"** (मत्ती 10:16)।

पवित्र आत्मा ही वह है जो हमें सभी सत्यों का मार्गदर्शन करता है। इसलिए यह ज़रूरी है कि हम उसकी उपस्थिति को महत्व दें और हमें मार्गदर्शन देने के लिए उस पर भरोसा करें। हमें यह समझना चाहिए कि अच्छे लोगों के बीच, हमेशा बुरे इरादे वाले लोग होंगे – और अक्सर, उन्हें अलग करना आसान नहीं होता। कई बार, दयालु, देखभाल करने वाले और करुणामयी लोग ही ऐसे लोगों से आहत होते हैं। इसलिए हमें सतर्क रहना चाहिए। धोखा न खाएँ। किसी को भी आपका फायदा उठाने न दें।

5. उन्हें बढ़ने दें :

इस दृष्टांत में एक खास बात यह है कि बीज और खरपतवार दोनों एक जैसे दिख सकते हैं। पद 13:26 में हम पढ़ते हैं कि गेहूँ और जंगली पौधे एक साथ उगने लगे, एक ही समय पर दिखाई दिए और लगभग एक जैसे दिखने लगे। बाइबल के विद्वान बताते हैं कि इस खास जंगली पौधे को "डार्नेल" कहते हैं – एक ऐसा पौधा जो गेहूँ से काफी मिलता-जुलता है। दोनों को एक-दूसरे से अलग समझना आसान है।

नौकर हैरान होकर मालिक के पास गए और पूछा : ...**'हे स्वामी, क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगली दाने के पौधे उसमें कहाँ से आए? मत्ती 13:27।** नींद में डूबे नौकर सोच रहे थे कि जंगली पौधे कहाँ से आए। क्या यह बात आपको जानी-पहचानी नहीं लगती? हम कितनी बार परमेश्वर से पूछते हैं, "मेरे जीवन में ऐसा क्यों हुआ? यह कहाँ से आया?"

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL
REACHING NATIONS
SINCE 1969

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,

Qualification : 10th Standard & above

Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.

Rush for admission!

Medium :Tamil (Part Time)
Hindi (Residential) (Sponsorship Available)

Diploma in Theology &
Bachelor of Theology

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.

Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858

E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

Recognised by
International Christian Leaders &
Senior Pastors for the past 56 years

MAIN CHURCH PROGRAMMES

1. Prayer Service : 24 hours
2. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines :English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikan.
3. **BIBLECOR** - Basic Bible Courses (English, Tamil & Hindi)
4. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
5. Nehemiah Bible Colleges (Chepauk, Santhoshapuram & Velachery)
6. Branch Churches: Santhoshapuram, Balaji Nagar & Velachery
7. Great Commission Partners (Network of Pastors)
8. Training Programmes – Seminars & Retreats
9. Crusades
10. Literature Distribution and Follow Up
11. Gospel Printing Press - Publications
12. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
13. Sunday Schools (Chepauk) : 10.30 a.m. Sunday & (Velachery, Balaji Nagar & Santhoshapuram) 3.00 p.m. Sunday
14. **Early Morning Service : 5.30 a.m. Sunday**
15. **Preliminary Service : 8.00 a.m. Sunday**
16. **Tamil Service : 8.30 a.m. Sunday**
17. **Youth Meeting : 11.00 a.m. Sunday**
18. **Fellowship Lunch : 1.00 p.m. Sunday**
19. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
20. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
21. **Tamil & English Service : 6.00 p.m. Sunday**
22. Feedback Time : 7.30 p.m. Sunday
23. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
24. Men's Prayer : 7.30 p.m. Friday
25. Discipleship Meeting : 6.00 p.m. Saturday
26. House Meetings : 6.30 p.m. Tuesday & Thursday
27. Special Holy Communion : 6.00 a.m. 1st day of each month
28. Ministers' Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
29. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
30. Night Prayer : 9.30 p.m. Third Friday
31. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Second Saturday
32. Holy Communion : Second Sunday Service
33. Youth / Kid Prayer : 10.00 p.m. daily (over phone)
34. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
35. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

ऐंको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

इम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–78 पृष्ठ, और तमिल–98 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ और तमिल 652 पृ ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, **Post Box 2957**
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दे।

Account Name	: **ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	: **1023 2923 805**
Bank Name	: **STATE BANK OF INDIA**
Branch	: **TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	: **SBIN 0000249**
SWIFT Code	: **SBI NIN BB 455**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

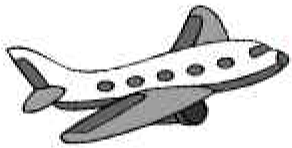

हवाई जहाज जिसने मुझे सबक सिखाया!

लालची मनुष्य झगड़ा मचाता है, और जो यहोवा पर भरोसा रखता है वह हृष्टपुष्ट हो जाता है – नीतिवचन 28:25

1970 के दशक में, मेरा एक दोस्त मुझे नाज़रेथपेट नाम के एक छोटे से गाँव में एक गरीब महिला के लिए प्रार्थना करने ले गया, जिसे दुष्टात्मा ने सताया था। वह कई बीमारियों से पीड़ित थी जिनका इलाज डॉक्टर नहीं कर पा रहे थे। चूँकि शाम हो चुकी थी, मैं वहीं रुका और रात भर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। परमेश्वर ने कृपापूर्वक हमारी प्रार्थना सुनी और उसे अद्भुत रीति से ठीक कर दिया।

अगली सुबह, मैं गाँव से निकला और अपने पास बचे थोड़े से पैसों से सादा नाश्ता किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास घर लौटने के लिए बस का किराया भी नहीं है। अपनी स्थिति की चिंता किए बिना, मैंने अपने साथ रखे सुसमाचार के पर्चे लिए और रास्ते में उन्हें बाँटते हुए चलना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद, भूख और थकान ने मुझे घेरना शुरू कर दिया।

हालाँकि, पवित्र आत्मा ने मुझे सीधे घर जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बजाय, उन्होंने मुझे पास्टर अबेदनेगो के पास भेजा, जो तांबरम में अपने चर्च, लाइफ-वे के माध्यम से गरीबों के बीच सेवा कर रहे थे। उस समय, पादरी अबेद-नेगो, दिवंगत भाई इम्मानुएल, चिदंबरम स्थित लाइफ-वे एसीए चर्च के पादरी थॉमस और भाई पुलिस चेल्लादुरई (अब वे अमेरिका में परमेश्वर के एक प्रसिद्ध सेवक हैं) उपवास प्रार्थना कर रहे थे।

प्रार्थना समाप्त होने पर, पादरी अबेदनेगो की पत्नी ने देखा कि मुझे भूख लगी है और उन्होंने दयापूर्वक मुझे भोजन परोसा। इस बीच, पुलिस भाई चेल्लादुरई, हालाँकि हवाई अड्डे पर अपनी ड्यूटी पर पहुँचने की जल्दी में थे, ने मुझे अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि वे मुझे हवाई अड्डे के अंदर ले जाकर कुछ हवाई जहाज़ों को नज़दीक से दिखाएँगे। उनका उद्देश्य मेरा उत्साह बढ़ाना था – ताकि मैं सेवा के बोझ तले दबा हुआ महसूस न करूँ, बल्कि कुछ नया देखने में आनंद और ताज़गी महसूस कर सकूँ।

मरम्मत करने योग्य विमान :

हवाई अड्डे पर, मैंने एक विमान देखा जिससे यात्रियों को उतरने के लिए कहा गया था क्योंकि उसमें तकनीकी खराबी आ गई थी। कुछ ही मिनटों में, विशेषज्ञों को बुलाया गया और समस्या को ठीक करने का प्रयास किया गया, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। जल्द ही, अन्य स्थानों से इंजीनियरों को बुलाया गया, और उन्होंने विमान पर अथक परिश्रम किया। मैं यह देखकर दंग रह गया कि वे इसे ठीक करने में कितनी मेहनत कर रहे थे।

इस बीच, इंतज़ार कर रहे यात्रियों का धैर्य जवाब दे गया। वे चिल्लाने लगे कि वे ऐसे विमान में यात्रा नहीं करेंगे जिसकी मरम्मत चल रही हो और उन्होंने विमान की बहुत उपेक्षा के साथ बात की।

तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद, इंजीनियरों ने आखिरकार विमान को उड़ान भरने लायक बना दिया। चिलचिलाती धूप में इंतज़ार कर रहे युवा और वृद्ध यात्री विमान में चढ़ने लगे। चूँकि मैं भी उनके बीच खड़ा था, इसलिए मुझे आश्चर्य हुआ जब यात्रियों ने मुझे भी विमान में चढ़ने के लिए कहा।

उस समय, पवित्र आत्मा ने मुझे धीरे से विमान की गति देखने के लिए प्रेरित किया। वही विमान, जिसे पहले अनुपयुक्त माना जाता था, धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा, फिर रनवे पर गति पकड़ ली। कुछ ही सेकंड में, उसने ज़बरदस्त गति पकड़ी, उड़ान भरी और आसमान में उड़ गया। घंटों तक उड़ान के अयोग्य समझा जाने वाला विमान, अचानक अपनी राह पर तेज़ी से ऊपर उठा।

और परमेश्वर ने मुझसे कहा :

"मेरे बेटे सैम, आज तुम खुद को त्यागा हुआ, उपेक्षित और बेकार समझे जा रहे हो। फिर भी, अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए, तुम्हें विश्वास का एक लंबा रास्ता तय करना होगा। मरम्मत के अधीन

विमान की तरह, तुम्हें भी पुनर्स्थापित और योग्य बनाया जाएगा। नियत समय पर, मेरे समय पर, मैं तुम्हें आशीष दूँगा। जैसे उस विमान ने बहुत से लोगों को ढोया था, वैसे ही मैं तुम्हें बहुतों के लिए आशीष का पात्र बनाऊँगा। डरो मत, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ।

मैं लगभग 20 किलोमीटर पैदल चलकर अपने स्थान पर लौट आया। आज, मैं गवाही दे सकता हूँ कि उन कठिन दिनों में प्रभु ने मुझसे जो वचन कहे थे, वे पूरे हुए हैं।

प्रिय मित्रों, क्या आप कभी-कभी गरीबी, विरोध या जीवन के बोझ से थक जाते हैं? मत डरिए! क्योंकि लिखा है :

"पर तुम यहोवा के याजक कहलाओगे,
वे तुम को हमारे परमेश्वर के सेवक कहेंगे;
और तुम जाति जाति की धन-सम्पत्ति को खाओगे,
उनके वैभव की वस्तुएँ पाकर तुम बड़ाई करोगे। - यशायाह 61:6

****

पृष्ठ 6 से आगे...

मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है?

उन्हें इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि मालिक ने बीज बोने के अलावा कुछ नहीं किया था। परमेश्वर हमेशा वही करता है जो हमारे लिए सबसे अच्छा होता है। जब हमें ऐसा महसूस नहीं होता, तब भी वह हमें ऊपर से वरदान देता है :

क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिसमें न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, और न अदल बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है। - याकूब 1:17

मालिक का उत्तर सरल था : "उन्हें बढ़ने दो।"

मालिक का उत्तर, "दोनों को एक साथ बढ़ने दो।"

कभी-कभी, हम सोचते हैं कि जो लोग परमेश्वर को प्रसन्न नहीं करते, वे उन लोगों से ज़्यादा धन्य क्यों लगते हैं जो पूरे मन, मन और आत्मा से उसकी सेवा करते हैं। ऐसा क्यों है कि परमेश्वर की संतान होने के नाते मैं कष्ट सहता हूँ, जबकि दूसरे लोग - अनैतिक जीवन जीते हुए भी - अपने जीवन का आनंद लेते दिखाई देते हैं? उत्तर स्पष्ट है : "उन्हें बढ़ने दो।"

परमेश्वर दयालु है। उसका अनुग्रह हमारी कल्पना से परे है। वह लोगों को बदलने का समय और अवसर देता है। वह धर्मी और अधर्मी, दोनों पर सूर्य की रोशनी भेजता है। लेकिन एक दिन, सब कुछ प्रकाश में आ जाएगा - "कटनी के समय"

6. कटनी के समय!

जब सेवकों ने गेहूँ के बीच से जंगली पौधों को उखाड़ना चाहा, तो मालिक ने कहा, "नहीं।" जब दोनों उग रहे थे, तब कोई स्पष्ट अंतर दिखाई नहीं दिया। फिर भी हमें याद रखना चाहिए : गेहूँ और जंगली पौधे, दोनों ही कटनी के दिन - न्याय के दिन - का सामना करेंगे। यह अंतर तब प्रकट होगा, जब हम न्याय सिंहासन के सामने खड़े होंगे।

मालिक ने घोषणा की

कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटनेवालों से कहूँगा कि पहले जंगली दाने के पौधे बटोरकर जलाने के लिए उनके गट्ठे बाँध लो, और गेहूँ को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो'- मत्ती 13:30

तो, आज हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए : हम किस गट्ठर में हैं?

परमेश्वर हमसे इतना प्रेम करता है कि वह नहीं चाहता कि कोई भी उस गट्ठर में इकट्ठा हो जो अनंत मृत्यु के लिए ठहराया गया है - **आग के कुण्ड में डालेंगे, जहाँ रोना और दाँत पीसना होगा (मत्ती 13:42)।** इसीलिए यीशु मसीह इस दुनिया में आया : हमारे पापों, श्रापों, बीमारियों, निराशा और खालीपन को कलवरी के क्रूस पर सहने के लिए। वह हमारे लिए मरा। उसने मृत्यु का स्वाद चखा। और क्योंकि मृत्यु उसे रोक नहीं सकी, वह तीसरे दिन फिर से जी उठा, यह साबित करते हुए कि वह एक विजेता से भी बढ़कर है।

जैसा कि उसने प्रतिज्ञा की थी, वह फिर से आएगा - राजाओं का राजा - दुनिया का न्याय करने के लिए। अनंतकाल के नरक से बचने का एकमात्र मार्ग है यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करना, उसे अपने जीवन का प्रभु घोषित करना और उसका हिस्सा बनना। यही एकमात्र रास्ता है।

बाइबल कहती है :

उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे। जिसके कान हो वह सुन ले। - मत्ती 13:43

परमेश्वर चाहता है कि हम उसके लिए चमकें।

असली सवाल यह है : क्या हम उसके लिए चमकने को तैयार हैं? हम गेहूँ हैं या जंगली पौधे? क्या हम जाग रहे हैं - या सो रहे हैं?

****

NOTICE

Save our mobile numbers (+91) 98410 71858, (+91) 98412 71858 (main numbers) in your mobile phones.

- Editor

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्काईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch	:	**Triplicane, Chennai-5**
Name	:	**S. Sam Selva Raj**
A/C No.	:	**1023 2934 679**
IFSC	:	**SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE	:	**SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch	:	**Anna Salai, Chennai-6**
Name	:	**Echo of His Call**
A/C No.	:	**6038 0502 2319**
IFSC	:	**ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch	:	**Triplicane, Chennai-5**
Name	:	**Echo of His Call Educational Trust**
A/C No.	:	**1023 2923 805**
IFSC	:	**SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-   आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 10th NOVEMBER 2025
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**